SECTOR 8 -MAHAKALI BRANCH UNIT 1380

BAL SATSNAG WORK SHOP

18 MARCH 2018

VENUE: SANT NIRANKARI UDYAN

TIME: 10.00AM TO 2.00 PM

DHAN NIRANKAR JI

सतगुरु माता सविंदर हरदेव जी महाराज जी की कृपा से इस वर्ष के बाल सत्संग के सिलेबस के अनुसार महाकाली ब्रांच यूनिट 1380 में 18 मार्च 2018 को संत निरंकारी उद्यान में बाल सत्संग का एक लघु वर्कशॉप रखा गया |यह वर्कशॉप परम आदरणीय महात्मा **सुनील रजक जी** (भायेंदर)इनकी प्रमुख उपस्थिति में रखा गया, साथ ही यूनिट के मुखी महात्मा परम आदरणीय **दिगंबर कदम जी** और संचालक महात्मा आदरणीय **गणेश बारे जी** भी शामिल थे, इनके अलावा बाल सत्संग के इनचार्ज बहने और एक्टिव भाईओं ने भी हिस्सा लिया |

वर्कशॉप में कुल 63 बच्चों ने हिस्सा लिया, जिनमे से 33 भाई और 30 बहने शामिल थे |

वर्कशॉप का ब्यौरा:

1) पांच प्राणों का महत्व तथा विस्तृत जानकारी |
2) पांच प्रण सुनाओ प्रतियोगिता | (आठ वर्ष से कम आयु के बचों के लिए)
3) कहानी लेखन (8 वर्ष से अधिक आयु के बचों के लिए)
4) मंगला चरण धुनी एवं सेवादल प्रार्थना गीत का रियाज़
5) सतगुरु आशीर्वाद |

वर्कशॉप क्रियायों की विस्तृत रूप में जानकारी

वर्कशॉप की शुरुवात सुबह ठीक 10 बजे सतगुरु माता जी के जयघोष के साथ आदरणीय सुनील रजक जी ने की | इसके पश्चात बचों को डॉक्यूमेंट्री द्वारा मिशन के इतिहास की संस्क्षिप्त में जानकारी दी गयी |

इसके पश्चात मिशन के मूल सिद्धांत पांच प्राणों को एक एक करके विस्तार रूप में बचों के समक्ष रखा गया , साथ ही पांचों प्राणों को अलग अलग क्रियात्मक ढंग द्वारा बाल सत्संग के समक्ष रखा गया | इन एक्टिविटीज में सारे ही बच्चों ने बड़े उतशाह से हिस्सा लिया |

2 nd Session

पांच प्राणों का एक्टिविटी रूप में जानकारी लेने के पश्चात बच्चों को दो ग्रुप में बांटा गया, जिसमे एक ग्रुप आठ वर्ष की कम आयु वाले बच्चे और दुसरे ग्रुप में आठ वर्ष से अधिक आयु वाले बच्चे रखे गए |

आठ वर्ष से कम आयु वाले बचों में पांच प्रण सुनाओ प्रतियोगिता रखी गयी जिसमे सभी ने सक्रिय योगदान दिया | इस प्रतियोगिता को बजर राउंड की तरह रखा गया |

2) आठ वर्ष से अधिक आयु के बच्चों की कहानी लेखन प्रतियोगिता रखी गयी | यह प्रतियोगिता मिशन के ज्योतिस्तंभ आ. बाबा सज्जन सिंह जी, आ. भगत रामचंद्र जी, तथा आ. भाई साहब अमर सिंह जी इनकी जीवनी पर रखी गयी | इससे पूर्व बच्चों को प्रकाशन में उपलब्ध “संत निरंकारी मिशन के ज्योति स्तम्भ” इस पुस्तिका तो पढने के लिए प्रेरणा भी दी गयी |इसी के दौरान बच्चों की बाल सत्संग की पुस्तिका का निरिक्षण भी किया गया,जो की केंद्र से आदेशनुसार बच्चों ने बनाई हुई है और उसे नाम भी दिया है |

समापन

वर्कशॉप के अंत में आ महात्मा सुनील रजक जी ने बच्चों को वार्षिक परीक्षा हेतु जरूरी मार्गदर्शन किया तथा साथ ही बाल सत्संग के महत्व को भी सभी के समक्ष रखा , और वहीँ पर सतगुरु की बाल सत्संग के प्रति रूचि और दूरदर्शिता को भी उजागर किया | इनके पश्चात ब्रांच के मुखी महात्मा आ. दिगंबर कदम जी ने सतगुरु के चरणों में समर्पित होते हुए सभी बच्चों के लिए आशीर्वाद की कामना की |

DHAN NIRANKAR JI